ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९४
दिनांक- शुक्रवार, १६ दिसम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 23.8 एवं 8.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 53 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.9 एवं दोपहर में 22.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 दिसम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17–21 दिसम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल आ सकते है तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा देखे जा सकते है।
- अधिकतम तापमान 23–25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। न्यूनतम तापमान में पूर्वानुमानित अवधि में 2–3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है जिसके चलते यह 8–10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 5–8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- किसान भाई को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई 25 दिसम्बर से पहले संम्पन्न कर लें। इसके बाद बुआई करने पर उपज में भारी कमी आ सकती है।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए एच0डी0 2733, एच0यू0डब्लू0 468, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 39, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवष्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिष्चित हो सके।
- गेहुँ की जो फसल 21–25 दिनों की हो गई हो, में सिंचाई कर प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- अगात बोयी गई रबी मक्का की 50–55 दिनों की फसल में 50 किलोग्राम नत्रजन का उपरिवेषन कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। फसल में नियमित रुप से कीट एवं रोग–व्याधी की निगरानी करें।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, पूरी फसल बरबाद हो जाती है। फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। सब्जियों वाली फसल में निकौनी करें।
- आलू की फसल में प्रति हेक्टेयर 75 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेषन कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आलू में नियमित रुप से झुलसा रोग की निगरानी करें। रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव हेतु 2.5 ग्राम डाई–इथेन एम0 45 फफूँदनाषक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें।
- प्याज के 50–55 दिनों के तैयार पौध की रोपाई करे। पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दुरी 10 से0मी0 पर रोपाई करे। खेत की तैयारी में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई करें। सव्जियों की फसल जैसे मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च में फल छेदक कीट का प्रक्रोप दिखने पर स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी या क्वीनलफॉस 25 ई0सी0 दवा का 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- ठंढ़ के मौसम में दुधारु पशुओं के देख–भाल एवं पोषण का प्रबंधन सावधानी और उचित तरीके से करना चाहिए। खाने में तेलहन अनाज की मात्रा बढ़ा दे। पौष्टिक हरा चारा, जैसे जई एवं बरसीम प्रयाप्त मात्रा में दे। पाचन तंत्र को ठीक रखने के लिए प्रोबायोटिक दवाए प्रयोग करें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी ही दें। दुध उत्पादन को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए फैटोमैक्स, एम पॉवर इत्यादि दवाऐ दें। साथ ही खनिज एवं विटामिन मिश्रण 50 ग्राम प्रति पशु प्रतिदिन दें।

आज का अधिकतम तापमानः 22.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 8.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)